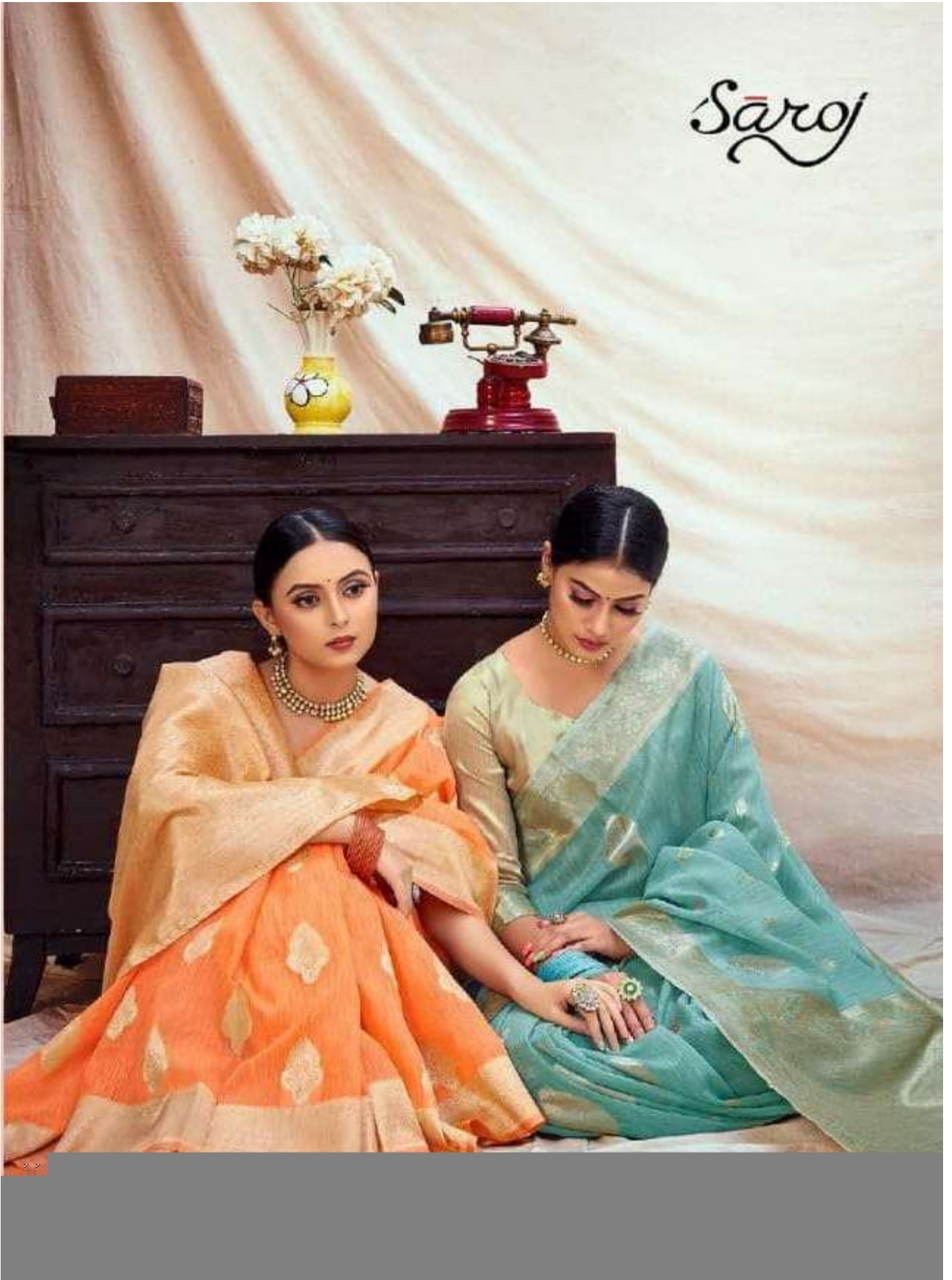


Saraj





मुझे कहीं भुनकता को खुदो छुट्टे से मेलो ललाक दे,  
मुझे प्यार का जदल मनाले दे ।

|| 1004 ||





अब हर त्योहार बने कुच खास...

Saroj



1005



हर दिन बने खुबसूरत....

Saroj



अब हर त्योहार बने कुच खास...

Saraj



1005

*Sofia-2*  
by  
*Saroj*







|| 1001 ||



|| 1002 ||



|| 1003 ||



Saraj

